Roll No. ...

ID–201

M. A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec.-Jan., 2024-25

HINDI

Paper First

हिन्दी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल एवं पूर्व मध्यकाल)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं। अशुद्धियों पर अंक काटे जाएँगे।

1. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा क्या है ? समझाइए। 15

अथवा

हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन और नामकरण की समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

2. लौकिक साहित्य क्या है ? इसकी प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

सिद्ध नाथ एवं जैन साहित्य को विस्तारपूर्वक समझाइए।

3. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ क्या-क्या हैं ? स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

भक्ति आंदोलन की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

4. निर्गुण काव्य की ज्ञानमार्गी काव्यधारा एवं प्रेममार्गी काव्यधारा की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

कृष्णभक्ति काव्य-धारा एवं रामभक्ति काव्य-धारा की परम्परा प्रवृत्ति पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(i) आदिकाल की दो प्रवृत्तियाँ

(ii) साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की **दो** समस्याएँ

(iii) रासो काव्य

(iv) आदिकाल की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

(v) पूर्व मध्यकाल

(vi) मध्यकाल का विकास

(vii) सगुण काव्य

(viii) निर्गुण काव्य

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $10 \times 1 = 10$

(i) किसके द्वारा लिखित हिंदी साहित्य के इतिहास को प्रमाणिक माना जाता है ?

(ii) हिंदी साहित्य के किस काल को स्वर्ण युग कहा जाता है ?

(iii) 'पृथ्वीराज रासो' के रचयिता कौन थे ?

(iv) आदिकाल को चरण काल कहने का श्रेय किसको जाता है ?

(v) रसखान किसके भक्त थे ?

(vi) रसखान के समय किसका शासनकाल था ?

(vii) निर्गुण काव्य के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

(viii) सूर किस ब्रह्म की उपासना करते थे ?

(ix) 'पद्मावत' के रचनाकार कौन थे ?

(x) भक्ति युग में साहित्य की भाषा क्या थी ?

(xi) 'विनयपत्रिका' की रचना किसने की ?

(xii) 'पुष्टिमार्ग का जहाज' किस कवि को कहते हैं ?

(xiii) 'सतसई' के रचनाकार कौन है ?

(xiv) 'रमैनी' किसने लिखा ?

(xv) भक्तिकाल का जनक कौन था ?

Roll No. ...

ID–202

M. A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec.–Jan., 2024-25

HINDI

Paper Second

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

(रासो काव्य, लौकिक एवं निर्गुण काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये। 10×3

(क) मनहूँ काम कामिनी रचिय, रचिय रूप की रास।

पसु पंछी सब मोहिनी, सुर नर मुनिवर पास।।

सामुद्रिक लच्छन सकल, चौंसठि कला सुजान।

जानि चतुरदस अंग–षट् रत्ति बसंत परभान।।

अथवा

मन अति भयो हुलास, बिगसि जनु कोक किरन रवि।
अरुत अधर तिय सधर, बिंबफल जानि कीर छवि।
यह चाहत चष चकित, उह जू तक्किय झरप्पि झर।
चंचु चहुहिय लोभ, लियौ तब गहित अप्प कर।
हरषत आनन्द मनि महिहुलास, लै जु महल भीतर गई।
तंजर अनूप नग मन जटिल, सो तिहिं मंह रष्षत भई।।

(ख) जय–जय भैरवि असुर भ्याउनि पसुपति–भामिनी माया।
सहज सुमति वर विअओं गोसाउनि अनुचति गति तुअ पाया।
बासर–रैनि सबासर सोमित चरन, चंद्रमनि चूड़ा।
कतओक दैव्य मारि मुंह मेलल कतओक उमिल कैल कूड़ा।
सामर बरन, नयन अनुरंजित जलद–जोग फुल कोका।
कटकट विकट ओठ–पुट पांडरि लिंधुर फेन उठ फोका।

अथवा

आया था संसार में, देषण कौं बहु रूप।
कहै कबीरा संत हौं, पडि राया नजरि अनूप।।

जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि है मैं नांहि।

सब अंधियारा मिटि गया, जब दीपक देख्या मांहि।।

मेरा मुझमें कुछ नहीं, जो कुछ है सो तेरा।

तेरा तुझको सौंपता, क्या लागे है मेरा।।

(ग) जिन्ह धर कंता ते सुखी, तिन्ह गारौ औ गर्व।

कंत पियारा वाहिरे, हम सुख भूला सर्व।।

पिउ सौ कहेउ संदेसड़ा, हे भौंरा हे काग।

तव धनि बिरहे जरि मुई, तेहिक धुवां हम्ह लाग।।

अथवा

कातिक सरद चंद उजियारी। जग सीतल, हौ बिरहै जारी।।

चौदह करा चाँद परगासा। जनहूं जरै सब धरति अकासा।।

तन मन सेज करे अगिदाहू। सब कहं चंद भयउ मोहि राहू।।

चहूँ खंड लागै अंधियारा। जौं घर नाहीं कंत पियारा।।

अबहूं निठुर आव एहि बारा। परब देवारी होइ संसारा।।

सखी झूमक गावै अंग मोरी। हौं झरांव बिछुरी मोरि जोरी।।

जेहि घर पिउ सो मनोरथ पूजा। मो कहं बिरह सबति दुख दूजा।।

2. पृथ्वीराज रासो की मूल कथा की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

रासो काव्य परंपरा में पृथ्वीराज रासो का स्थान निरूपित कीजिए।

3. विद्यापति की भक्ति पद्धति का उल्लेख कीजिए। 10

अथवा

विद्यापति की काव्य भाषा पर प्रकाश डालिए।

4. कबीर की साखियों की विशेषताएं लिखिए। 10

अथवा

"कबीर कवि और समाज सुधारक दोनों हैं", इस कथन की समीक्षा कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5

(क) विद्यापति की काव्य कला

(ख) विद्यापति की शृंगारिक रचनाएं

(ग) अमीर खुसरो का जीवन परिचय

(घ) अमरी खुसरो की मुकरियां

(ड़) मीरा की भक्ति भावना

(च) मीरा की काव्य भाषा

(छ) रसखान की कृष्ण भक्ति

(ज) रसखान के सवैया

(झ) रहीम का जीवन परिचय

(ञ) रहीम के नीतिपरक दोहे

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दस के उत्तर दीजिए :

(क) आदिकाल के दो अन्य नाम लिखें।

(ख) चंदबरदाई किस राजा के सेनापति थे ?

(ग) पूर्व मध्यकाल को और किस नाम से जाना जाता है ?

(घ) सगुण भक्ति काव्य धारा के प्रमुख दो कवियों के नाम लिखें।

(ड़) निर्गुण भक्ति काव्य धारा के प्रमुख कवि का नाम लिखें।

(च) किन्हीं दो सूफी कवियों के नाम लिखें।

(छ) 'कीर्ति पताका' किस कवि की कृति है ?

(ज) 'बीजक' के रचनाकार कौन हैं ?

(झ) रहीम का पूरा नाम लिखें।

(ञ) 'मैथिल कोकिल' किस कवि को कहा गया है ?

(ट) शृंगार रस का स्थायी भाव लिखें।

(ठ) पृथ्वीराज रासो की मुख्य नायिका का नाम लिखें।

(ड) 'मसनवी' शैली के रचनाकार का नाम लिखें।

(ढ) राजा रत्न सेन किस नगर के राजा थे ?

(ण) गंधर्व सेन की पुत्री का नाम क्या था ?

(त) लोकनायक के नाम से किस कवि को जाना जाता है ?

(थ) मीरा के आराध्य देव कौन हैं ?

(द) भूषण किस कवि रस के कवि माने जाते हैं ?

(ध) प्रेमाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि का नाम लिखें।

(न) रामचरित मानस में कितने काण्ड हैं ?

****

Roll No. .....

ID–203

M. A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec.–Jan., 2024-25

HINDI

Paper Third

(द्विवेदी युगीन एवं छायावाद काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) निरख सखी, ये खंजन आये,

फेरे उन मेरे रंजन ने नयन इधर मन भाये!

फैला उसके तन का आतप, मन से सर सरसाये,

घूमें वे इस ओर वहाँ, ये हंस यहाँ उड़ छाये!

करके ध्यान आज इस जन का निश्चय वे मुसकाये;

फूल उठे हैं कमल, अधर—से ये बन्धूक सुहाये!

स्वागत, स्वागत, शरद, भाग्य से मैंने दर्शन पाये,

नभ ने मोती वारे, लो, ये अश्रु अर्य भर लाये!

अथवा

वेदने, तू भी भली बनी।

पाई मैंने आज तुझी में अपनी चाह घनी।

नई किरण छोड़ी है तू ने, तू वह हीर-कनी,

सजग रहूँ मैं, साल हृदय में, ओ प्रिय विशिख अनी!

ठंडी होगी देह न मेरी, रहे दृगम्बु-सनी

तू ही उसे उष्ण रखेगी मेरी तपन-मनी।

ओ, अभाव की एक आत्मने और अदृष्टि—जनी!

(ख) नील परिधान बीच सुकुमार

खुल रहा मृदुल अधखुला अंग;

खिला हो ज्यों बिजली का फूल

मेघ-वन बीच गुलाबी रंग।

आह! वह मुख! पश्चिम के व्योम–
बीच जब घिरते हों घन श्याम;
अरुण रवि–मंडल उनको भेद
दिखाई देता हो छविधाम।

अथवा

चिंता करता हूँ मैं जितनी
उस अतीत की, उस सुख की;
उतनी ही अनंत में बनतीं
जाती रेखाएँ दुःख की।
आह सर्ग के अग्रदूत! तुम
असफल हुए, विलीन हुए;
भक्षक या रक्षक, जो समझो,
केवल अपने मीन हुए।

(ग) है अमा-निशा : उगलता गगन घन अन्धकार
खो रहा दिशा का ज्ञान : स्तब्ध है पवन-चार;
अप्रतिहत गरज रहा पीछे अम्बुधि विशाल,
भूधर ज्यों ध्यान-मग्न : केवल जलती मशाल।

स्थिर राघवेन्द्र को हिला रहा फिर-फिर संशय,

रह-रह उठता जग जीवन में रावण-जय -भय;

जो नहीं हुआ आज तक हृदय रिपु-दम्य-श्रान्त,

एक भी, अयुत-लक्ष में रहा जो दुराक्रान्त,

कल लड़ने को हो रहा विकल वह बार-बार,

असमर्थ मानता मन उद्यत हो हार-हार।

अथवा

तू जल-जल जितना होता क्षय;

यह समीप आता छलनामय,

मधुर मिलन में मिट जाना तू

उसकी उज्ज्वल स्मित में घुल खिल

मंदिर-मंदिर मेरे दीपक जल!

प्रियतम का पथ आलोकित कर!

2. 'साकेत' महाकाव्य के संदर्भ में मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की विशेषताएँ बताइए। 10

अथवा

'साकेत' के नवम् सर्ग के काव्य-वैभव पर प्रकाश डालिए।

3. "कामायनी छायावादी काव्य-प्रवृत्ति का श्रेष्ठ महाकाव्य है।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'श्रद्धा' सर्ग के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

4. निराला के काव्य में सांस्कृतिक चेतना एवं विरोधी स्वर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

"महादेवी का काव्य वेदना का काव्य है।" सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5

(i) श्रीधर पाठक का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ii) पंत के प्रकृति चित्रण पर प्रकाश डालिए।

(iii) जगन्नाथदास 'रत्नाकर' का साहित्यिक परिचय लिखिए।

(iv) मुकुटधर पाण्डेय और छायावाद

(v) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

(vi) बच्चन का हालावाद

(vii) 'सरोज-स्मृति' का वस्तु-वैशिष्ट्य

(viii) हरिऔध का 'प्रियप्रवास'

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** अति लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(i) 'भारत-भारती' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ii) 'अनामिका' काव्य-संग्रह के रचनाकार का नाम लिखिए।

(iii) खड़ी बोली का प्रथम महाकवि होने का गौरव किसे प्राप्त है ?

(iv) 'यामा' किसकी रचना है ?

(v) श्रद्धा के पुत्र का क्या नाम था ?

(vi) 'जुही की कली' किसकी रचना है ?

(vii) 'साकेत' महाकाव्य में कितने सर्ग हैं ?

(viii) 'शृंखला की कड़ियाँ' के रचनाकार का नाम लिखिए।

(ix) 'लोकायतन' किस कवि का महाकाव्य है ?

(x) 'प्रियप्रवास' की विधा लिखिए।

(xi) 'पंचवटी' किसकी रचना है ?

(xii) 'उद्धव शतक' किसकी रचना है ?

****

Roll No. .....

ID–204

M. A. (First Semester)
EXAMINATION, Dec.-Jan., 2024-25

HINDI

Paper Fourth

(आधुनिक गद्य साहित्य)

(नाटक, एकांकी एवं चरित्रात्मक तथा आत्मकथात्मक कृति)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ-प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए : 3×10=30

(क) पवित्रता की माप है मलिनता, सुख का आलोचक है दुःख, पुण्य की कसौटी है पाप। विजया ! आकाश के सुन्दर नक्षत्र आँखों से केवल देखे जाते हैं, वे

कुसुम-कोमल हैं कि वज्रकठोर—कौन कह सकता है। आकाश में खेलती हुई कोकिल की करुणामयी तान का कोई रूप है या नहीं उसे देख नहीं पाते। शतदल और परिजात का सौरभ बिठा रखने की वस्तु नहीं। परन्तु संसार में ही नक्षत्र से उज्ज्वल किन्तु कोमल स्वर्गीय संगीत की प्रतिभा तथा स्थायी कीर्ति-सौरभ वाले प्राणी देखे जाते हैं, उन्हीं से स्वर्ग का अनुमान कर लिया जा सकता है।

(ख) "पता नहीं

प्रभु है या नहीं

किन्तु, उस दिन यह सिद्ध हुआ

जब कोई भी मनुष्य

अनासक्त होकर चुनौती देता है इतिहास को,

उस दिन नक्षत्रों की दिशा बदल जाती है,

नियति नहीं है पूर्व निर्धारित—

उसको हर क्षण मानव-निर्णय बनाता-मिटाता है।"

(ग) "सूक्ष्म पर्यवेक्षण की प्रवृत्ति उसमें बचपन से ही थी। जो कुछ भी देखता उसकी गहराई में जाने का प्रयत्न करता और यही अभिज्ञता उसकी प्रेरणा बन जाती। गाँव में एक ब्राह्मण की बेटी थी बाल विधवा, नाम था उसका नीरू। बत्तीस साल तक कोई कलंक उसके चरित्र को नहीं छू पाया था। सुशीला, कर्मठ, परोपकारिणी, धर्मशीला होने के नाते वह प्रसिद्ध थी। गाँव में एक भी घर ऐसा नहीं था जिसने उससे किसी न किसी रूप में सहायता न पाई हो। शरत् उसे दीदी कहकर पुकारता था।"

(घ) "अब मुझे कह लेने दीजिए बाबू जी ! ..... ये जो महाशय मेरे खरीदार बनकर आये हैं इनसे जरा पूछिए कि क्या लड़कियों के दिल नहीं होता ? क्या उनको चोट नहीं लगती ? क्या वे भेड़-बकरियाँ हैं ? जिन्हें कसाई अच्छी तरह देखभाल कर खरीदते हैं। ..... जब कुर्सी-मेज बिकती है तब दुकानदार कुर्सी-मेज से कुछ नहीं पूछता, खरीदार को दिखवा देता है। पसन्द आ गई तो अच्छा है वरना ....."

P. T. O.

(ङ) "जिन्दगी और नाटक का प्रॉब्लम एक ही है। पानी-लोहे को मुकम्मिल कर देना। विरोध और विद्रोह को एक स्वर करना और उनमें एक केन्द्रीय महत्व पानी केवल सिग्नीफिकेंश हासिल करके उसका दर्शकों पर फीका प्रभाव उपजाना कि उनकी बुद्धि, विचार और नजर को उकसाए।"

2. नाटकीय तत्वों के आधार पर 'स्कन्दगुप्त' नाटक की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

" 'अंधायुग' नाटक युद्ध और उसके बाद की समस्याओं और मानवीय महत्वाकांक्षा का चित्रण है।" स्पष्ट कीजिए।

3. एकांकी के तत्वों के आधार पर 'ताँबे के कीड़े' एकांकी की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'एक दिन' एकांकी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए।

4. जीवनी के तत्वों के आधार पर 'आवारा मसीहा' का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

महादेवी वर्मा के 'निराला भाई' संस्मरण के आधार पर निरालाजी के व्यक्तित्व की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 2

(i) 'स्कन्दगुप्त' में नारी पात्र अधिक सशक्त हैं। स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में वर्णित समस्याएँ लिखिए।

(iii) भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय लिखिए।

(iv) 'अंधायुग' नाटक का उद्देश्य वर्णित कीजिए।

(v) 'तौलिये' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

(vi) शरतचन्द्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : प्रत्येक 1

(i) 'आवारा मसीहा' के लेखक का नाम लिखिए।

(ii) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' के जन्मस्थान का नाम लिखिए।

(iii) लक्ष्मीनारायण लाल किसलिए प्रसिद्ध हैं ?

(iv) 'देवसेना' किस कृति का पात्र है ?

(v) 'स्कन्दगुप्त' नाटक किसने लिखा है ?

(vi) नाटक के कितने तत्व होते हैं ?

(vii) आधुनिक हिन्दी एकांकी नाटकों का जनक किसे कहा जाता है ?

(viii) हिन्दी साहित्य के प्रमुख ऐतिहासिक नाटककार का नाम लिखिए।

(ix) 'दीपदान' एकांकी के रचनाकार का नाम लिखिए।

(x) जयशंकर प्रसाद के **दो** नाटकों के नाम लिखिए।

(xi) 'जूठन' किसकी रचना है ?

(xii) एक आत्मकथात्मक कृति का नाम लिखिए।

Roll No.

ID–351

M. A. (Second Semester)

EXAMINATION, May-June, 2025

HINDI

Paper Fifth

[हिन्दी साहित्य का इतिहास

(उत्तर मध्यकाल से आधुनिक काल तक)]

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. रीतिकालीन सामाजिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक परिस्थितियों का चित्रण कीजिए। 15

P. T. O.

अथवा

रीतिकाल की विभिन्न धाराओं एवं प्रमुख कवियों का परिचय देते हुए विशेषताएँ लिखिए।

2. आधुनिक काल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए। 15

अथवा

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को नवजागरण का जनक क्यों कहा जाता है ? उनके साहित्यिक योगदान को लिखिए।

3. छायावादी काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए। 15

अथवा

छायावाद के आधार स्तम्भ निराला के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

4. हिन्दी नाटक के उद्‌भव और विकास पर सुदीर्घ निबन्ध लिखिए। 15

अथवा

उपन्यास के तत्वों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

5. निम्नांकित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2=10

(i) घनानन्द का विरह वर्णन

(ii) हिन्दी नवजागरण।

(iii) द्विवेदीयुगीन काव्य का कलापक्ष।

(iv) समकालीन कविता।

(v) छायावादी काव्य में रहस्यवाद।

(vi) गीति नाट्य।

(vii) पन्त, प्रकृति के सुकुमार कवि।

(viii) प्रगतिवादी काव्यधारा।

6. निम्नांकित में से किन्हीं दस पर वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए : 10×1=10

(i) हिन्दी नवजागरण के दौर में किस भाषा का साहित्यिक विकास प्रमुखता से हुआ ?

(अ) उर्दू

(ब) हिन्दी

(स) बांगला

(ii) हिन्दी नवजागरण काल के साहित्यकारों का प्रमुख उद्देश्य क्या था ?

(अ) राष्ट्र निर्माण

(ब) धर्म प्रचार

(स) समाज सुधार

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को किस युग का प्रवर्तक माना जाता हैं ?

(अ) भक्तिकाल

(ब) आधुनिक काल

(स) आदिकाल

(iv) महावीर प्रसाद द्विवेदी ने किस पत्रिका का सम्पादन किया था ?

(अ) भारत मित्र

(ब) हिन्दी प्रदीप

(स) सरस्वती

(v) 'हो हो होरी' किसकी काव्य रचना है ?

(अ) अम्बिकादत्त व्यास

(ब) राधा कृष्ण दास

(स) प्रतापनारायण मिश्र

(vi) खड़ी बोली हिन्दी का प्रथम महाकाव्य है :

(अ) कामायनी

(ब) प्रियप्रवास

(स) साकेत

(vii) महादेवी वर्मा को किस उपनाम से जाना जाता है ?

(अ) गद्य की देवी

(ब) महाकवयित्री

(स) आधुनिक मीरा

(viii) साकेत में कितने सर्ग है ?

(अ) 14

(ब) 16

(स) 12

(ix) छायावाद की सर्वश्रेष्ठ कृति मानी जाती है :

(अ) पल्लव

(ब) कामायनी

(स) यामा

(x) प्रगतिवाद के सबसे महत्त्वपूर्ण कवि माने जाते हैं :

(अ) जयशंकर प्रसाद

(ब) त्रिलोचन शास्त्री

(स) नागार्जुन

(xi) प्रयोगवाद के प्रमुख कवि हैं :

(अ) रामधारी सिंह दिनकर

(ब) मैथिलीशरण गुप्त

(स) सच्चिानन्द हीरानन्द

(द) वात्स्यायन अज्ञेय

(xii) नयी कविता किस आन्दोलन का प्रतिफल है ?

(अ) प्रगतिवाद

(ब) प्रयोगवाद

(स) छायावाद

(xiii) किस कविता संग्रह से प्रयोगवाद आन्दोलन का प्रारम्भ माना जाता है ?

(अ) साक्षात्कार

(ब) नवगीत दशक

(स) तारसप्तक

(xiv) समकालीन कविता के प्रमुख कवि है :

(अ) अज्ञेय

(ब) मुक्तिबोध

(स) विष्णु खरे

(xv) हिन्दी के सर्वाधिक प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यासकार कौन हैं ?

(अ) प्रेमचन्द

(ब) नागार्जुन

(स) फणीश्वरनाथ रेणु

× × × × ×

Roll No. .....

ID–352

M. A. (Second Semester)
EXAMINATION, May-June, 2025

HINDI

Paper Sixth

(मध्यकालीन काव्य)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नांकित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×10=30

(अ) आयो घोष बड़ो व्योपारी।

लादि खेप गुन ज्ञान-जोग की ब्रज में आन उतारी।

फाटक दैकर हाटक माँगत भोरे निपट सुधारी।

धुर ही तें खाटो खायो है लये फिरत सिर भारी।

इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी।

अपनो दूध छाँड़ि को पीवै खार कूप को पानी॥

P. T. O.

अथवा

आए जोग सिखावन पाँड़े।

परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँड़े

हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखैं ते राँड़े।

कहौ मधुप कैसे समायँगे एक म्यान दो खाँड़े।

कहु षटपद कैसे खैयतु है हाथिन के संग गाँड़े।

काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत माँड़े॥

(ब) पापवंत कर सहज सुभाऊ।

भजन मोरि तेहि भावन काऊ॥

जौं पै दुष्टहृदय सोइ होई।

मोरे सनमुख आव कि सोई॥

निर्मल मन जन सो मोहि पावा।

मोहि कपट छल छिद्रन भाव॥

भेद लेन पठवा दससीसा।

तबहुँ न कछु भय हानि कपीसा॥

अथवा

बिनती करउँ जोरि कर रावन।
सुनहु मान तजि मोर सिखावन॥
देखहु तुम्ह निज कुलहि बिचारी।
भ्रम तजि भजहु भगत भयहारी॥
जाके डर अति काल डेराई।
जो सुर असुर चराचर खाई॥
तासों बयरु कबहुँ नहिं कीजै।
मोरे कहें जानकी दीजै॥

(स) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजियात।
भरे भौन में करत हैं, नैननु ही सब बात॥

अथवा

रावरे रूप की रीत अनूप,
नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारिये।
त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी,
अधानि कहूँ नहिं आनि तिहारिचे।
एक ही जीव हुतौ सुतौ वारयौ,
सुजान सकोच औ सोच सहारिये।
रोक रहै न दहै,
घनआनंद बाबरी रीझ के हाथनि हारिये॥

2. भावानुभूति की दृष्टि से 'भ्रमरगीत' के काव्य-सौन्दर्य का विश्लेषण कीजिए। 10

अथवा

"भ्रमरगीत प्रसंग में गोपियों की अन्तर्दशा का जैसा मार्मिक वर्णन सूरदास ने किया है, वैसा अन्यत्र दुर्लभ है।" इस कथन के संदर्भ में सूर के विप्रलम्भ शृंगार की विवेचना कीजिए।

3. "तुलसीदास भारतीय संस्कृति के व्याख्याता हैं। निराशाजनक विषम परिस्थितियों में अपनी लेखनी का संबल देकर उन्होंने देश के सांस्कृतिक उन्नयन में अमूतपूर्व योगदान दिया।" इस कथन की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

सुन्दरकाण्ड के काव्य-सौन्दर्य का उद्‌घाटन कीजिए।

4. रीतिमुक्त कवि घनानंद के भाव-सौन्दर्य और कला-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

"बिहारी के दोहों में भक्ति, नीति और शृंगार की त्रिवेणी प्रवाहित है।" इस कथन को स्पष्ट विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त में उत्तर दीजिए : 10

(i) केशवदास को कठिन काव्य का प्रेत क्यों कहा जाता है ?

(ii) बोधा **अथवा** आलम का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

(iii) देव की रचनाओं को लिखिए।

(iv) भूषण ने किन कवियों को प्रतिपाद्य बनाया है ?

(v) रीतिसिद्ध अथवा रीतिमुक्त कवि किसे कहते हैं ?

(vi) पद्माकर की साहित्यिक विशेषताएँ बताइए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(i) कृष्ण के सखा का नाम लिखिए। सुदामा

(ii) अष्टछाप की स्थापना किसने की थी ? विट्ठलनाथ

(iii) 'रामचरितमानस' में कुल कितने काण्ड हैं ? 7

(iv) प्रेम की पीर के गायक कवि कौन हैं ? घनानंद

(v) एक रीतिसिद्ध कवि का नाम लिखिए। बिहारी

(vi) वात्सल्य रस का अद्वितीय वर्णन किस कवि ने किया है ? सूरदास

(vii) भूषण की पालकी में किस राजा ने कंधा लगाया था ? छत्रपति शिवाजी

(viii) 'रामचरितमानस' की भाषा क्या है ? अवधी

(ix) रासपंचाध्यायी के कवि कौन हैं ? नंददास

(x) 'भँवरगीत' किस कवि की रचना है ? सूरदास

(xi) किस कवि को हृदयहीन कवि कहा गया है ? बिहारी

(xii) 'भाव विलास' **अथवा** 'सुजानहित' के कवि का नाम बताइए। कवि देव

× × × × ×

Roll No. .....

ID–353

M. A. (Second Semester)
EXAMINATION, May-June, 2025

HINDI

Paper Seventh

(आधुनिक काव्य-2)

(प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं

समकालीन कविता)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×10=30

(क) हम नदी के द्वीप हैं।

हम नहीं कहते कि हमको छोड़कर स्रोतस्विनी बह जाय

P.T.O.

वह हमें आकार देती हैं।

हमारे कोण, गलियाँ, अन्तरीप उभार, सैकत कूल

सब गोलाइयाँ उसकी गढ़ी हैं।

माँ है वह ! है इसी से हम बने हैं॥

अथवा

खड़ी हो गयी चौंपकर, कंकालों की हूक

नभ में विपुल विराट-सी, शासन की बंदूक

उस हिटलरी गुमान पर सभी रहे हैं थूक

जिसमें कानी हो गई शासन की बंदूक

बढ़ी बधिरता दसगुनी बने विनोबा मूक

धन्य-धन्य वह धन्य वह शासन की बंदूक

सत्य स्वयं घायल हुआ गई अहिंसा चूक

जहाँ-जहाँ दगने लगी शासन की बंदूक

जली ठूठ पर बैठकर गई कोकिला कूक

बाल न बाँका कर सकी, शासन की बंदूक।

(ख) वह रहस्यमय व्यक्ति

अब तक न पायी गयी मेरी अभिव्यक्ति है

पूर्ण अवस्था वह

निज सम्भावनाओं, निहित प्रभाओं, प्रतिमाओं की

मेरे परिपूर्ण का आविर्भाव

हृदय में रिस रहे ज्ञान का तनाव वह

आत्मा की प्रतिभा

अथवा

आज नदी बिल्कुल उदास थी

सोयी थी अपने पानी में

मैंने उसको नहीं जगाया

दबे पाँव घर वापस आया।

(ग) चौड़ी सड़क गली पतली थी

दिन का समय घनी बदली थी

रामदास उस दिन उदास था

अंत समय आ गया पास था

उसे बता दिया था उसकी हत्या होगी

धीरे–धीरे चला अकेले सोचा साथ किसी को ले ले

फिर रह गया सड़क पर सब थे सभी मौन थे सभी निहत्थे

सभी जानते थे यह उस दिन उसकी हत्या होगी॥

अथवा

मैं पिछली बरसात से उसे देख रहा हूँ

वह वहाँ उसी तरह खड़ा है

टूटा हुआ और हैरान

और अब उससे अँखुए फूट रहे हैं

मैं देख रहा हूँ

एक छोटी–सी लहर

स्टीयरिंग की ओर बढ़ी जा रही है

एक जरा–सी पत्ती

भोंपू के पास झुकी है

जैसे उसे बजाना चाहती हो

एक बहुत महीन और बेआवाज–सी–ठोक–पीट

लगातार जारी है समूचे ट्रक में

कोई नट खोला जा रहा है

कोई तार कसा जा रहा है

2. अज्ञेय के काव्य–लेखन पर प्रकाश डालते हुए 'असाध्य वीणा' काव्य की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

नागार्जुन के काव्य का मूल्यांकन करते हुए सिद्ध कीजिए कि वे जनवादी कवि के साथ ही एक जनकवि हैं।

3. मुक्तिबोध की प्रायः सभी कविताएँ मानव त्रासदी एवं अंतर्द्वन्द्वों को रूपायित करती हैं। इस पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। 10

अथवा

"कवि त्रिलोचन एक संवेदनशील कवि हैं जो मानव जीवन के भावों को सलीके से रखते हैं।" इस आधार पर इन्हें कैसे प्रगतिवादी, प्रयोगवादी कवि माना जायेगा ? सिद्ध कीजिए।

4. "केदारनाथ सिंह एक प्रगतिवादी प्रयोगवादी कवि होने के साथ ही साथ एक समकालीन कवि भी हैं।" इस कथन पर एक सारगर्भित लेख लिखिए। 10

अथवा

रघुवीर सहाय ने रामदास की कविता के माध्यम से सामाजिक-राजनैतिक अपराधों के ऊपर जिस तरह से व्यंग्यात्मक प्रहार किया है। उस पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : 5×2=10

(i) प्रगतिवाद किसे कहते हैं ?

(ii) समकालीन कविता से आप क्या समझते हैं ?

(iii) समकालीन कवियों में धूमिल का स्थान।

(iv) अलोक धन्वा का काव्यचिन्तन।

(v) भवानी प्रसाद मिश्र का व्यक्तित्व एवं जीवन।

(vi) 'अकाल एवं उसके बाद' कविता की समीक्षा।

(vii) केदारनाथ सिंह का व्यक्तित्व एवं कृतित्व।

(viii) 'असाध्य वीणा' काव्य का दर्शनशास्त्र से सम्बन्ध।

(ix) 'अंधेरे में' कविता का भावार्थ।

(x) नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दस** के उत्तर दीजिए :

10×1=10

(i) मुक्तिबोध का पूरा नाम क्या है ?

(ii) प्रगतिवादी, प्रयोगवाद एवं नयी कविता का जनक किसे मानते हैं ?

(iii) 'भूल गलती' किसकी रचना है ?

(iv) 'सोन मछली' किसकी रचना है ?

(v) 'टूटा हुआ ट्रक' किसकी रचना है ?

(vi) छत्तीसगढ़ के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

(vii) तीनों तारसप्तक का सम्पादन किसने किया था ?

(viii) किन्हीं **दो** समकालीन कवियों के नाम लिखिए।

(ix) कवि नागार्जुन ने बादलों को कहाँ घिरते हुए देखा है ?

(x) कवि नागार्जुन ने किस ऋतु में किन्नर एवं किन्नरियों में प्रणय कलह छिड़ते देखता है ?

(xi) त्रिलोचन का वास्तविक नाम क्या है ?

(xii) 'संसद से सड़क तक' किसकी रचना है ?

(xiii) केदारनाथ अग्रवाल किस काव्यधारा के कवि हैं ?

(xiv) नागार्जुन का वास्तविक नाम क्या है ?

(xv) प्रयोगवादी काव्यधारा के **दो** कवियों के नाम लिखिए।

× × × × ×

920

Roll No. ..

ID–354

M. A. (Second Semester)

EXAMINATION, May-June, 2025

HINDI

Paper Eighth

(आधुनिक गद्य साहित्य)

(उपन्यास, निबन्ध एवं कहानी)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3=30

(क) "मैं इसे स्वीकार करता हूँ कि किसी भी दूसरे के श्रम पर मोटे होने का अधिकार नहीं है। उपजीवी होना घोर लज्जा

P. T. O.

की बात है। कर्म करना प्राणिमात्र का धर्म है। समाज की ऐसी व्यवस्था जिसमें कुछ लोग मौज करें और अधिक लोग पिसें और खापें कभी सुखद नहीं हो सकती। पूँजी और शिक्षा, जिसे मैं पूँजी का ही एक रूप समझता हूँ, इनका किला जितनी जल्दी टूट जाए, उतना ही अच्छा है।"

(ख) "मैं अकिंचन हूँ, साधनहीन हूँ। मेरे पास है ही क्या, जिससे तुम्हारी पूजा करूँ ? तुम देवी हो, सौ बार प्रतिवाद करो, तो भी देवी हो—इस कलुष-पंकिल संसार-सागर की प्रफुल्ल पद्मिनी, इस धूलि घूसर वन भूमि की मालती लता।"

(ग) "जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती आई है, से कविता कहते हैं।"

(घ) "गजाधर बाबू ने आहत, विस्मित दृष्टि से पत्नी को देखा। उनसे अपनी हैसियल छिपी न थी। उनकी पत्नी तंगी का

अनुभव कर उसका उल्लेख करतीं, यह स्वाभाविक था, लेकिन उनमें सहानुभूति का पूर्ण अभाव गजाधर बाबू को बहुत खटका। उनसे यदि राय-बात की जाती कि प्रबन्ध कैसे हो, तो उन्हें चिन्ता कम, सन्तोष अधिक होता। लेकिन उनसे तो केवल शिकायत की जाती थी, जैसे परिवार के सब परेशानियों के लिए वही जिम्मेदार थे।"

(ङ) "तो तुम्हारी कोई मामूली हस्ती है। अरे, तुम डिप्टी-कलक्टर की माँ हो न, जी" इतना कहकर शकलदीप बाबू ठहाका मारकर हँस पड़े। जमुना कुछ नहीं बोली, बल्कि उनसे मुस्की काटकर साड़ी का पल्ला सिर के आगे थोड़ा और खींचकर मुँह टेढ़ा कर लिया।

2. "गोदान न केवल डुषक जीवन का महाकाव्य है, अपितु समूचे युग की व्यथा–कथा है।" इस कथन का मूल्यांकन कीजिए। 10

अथवा

'बाणभट्ट की आत्मकथा' की भाषाशैली की शक्ति और सीमा पर विचार कीजिए।

3. बालकृष्ण भट्ट की निबन्ध-कला पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

'वैष्णव की फिसलन' में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

4. कहानी के तत्वों के आधार पर 'उसने कहा था' कहानी की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'वापसी' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2×5=10

(i) 'मंजूर एहतेशाम' का साहित्यिक परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ii) 'नई कहानी' की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

(iii) प्रेमचन्द की कहानी कला की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(iv) विद्यानिवास मिश्र की निबन्ध शैली की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।

(v) हिन्दी उपन्यास के उद्भव और विकास पर टिप्पणी कीजिए।

(vi) हिन्दी निबन्ध के विकास की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए।

(vii) कहानी और उपन्यास में क्या अन्तर है ? प्रकाश डालिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** लघु वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 10 = 10$

(i) 'सदाचार का ताबीज' किस निबन्धकार की रचना है ?

(ii) 'अशोक के फूल' किस निबन्धकार के निबन्ध संकलन का नाम है ?

(iii) 'चन्द्रमा मनसो जातः' किस निबन्धकार की रचना है ?

(iv) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने कुल कितनी कहानियाँ लिखी हैं?

(v) हिन्दी का कौन-सा कहानीकार 'नवाबराय' के नाम से उर्दू में लिखता था ?

(vi) जयशंकर प्रसाद का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(vii) 'रानी केतकी की कहानी' किस कहानीकार की रचना है ?

(viii) 'वजीरा सिंह' किस कहानी का पात्र है ?

(ix) 'रशीदा' किस उपन्यास की स्त्री पात्र है ?

(x) हिन्दी का पहला उपन्यास किसे माना जाता है ?

(xi) 'अनामदास का पोथा' उपन्यास के लेखक कौन हैं ?

(xii) 'माटी की मूरतें' किस निबन्धकार की रचना है ?

× × × × ×

405

Roll No. .....

ID–501

M. A. (Third Semester)
EXAMINATION, Dec.-Jan., 2024-25

HINDI

Paper First

(साहित्य के सिद्धांत तथा आलोचनाशास्त्र)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्रियों की दृष्टि से काव्य-प्रयोजन एवं लक्षणों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 15

अथवा

रस के स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए रस निष्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न आचार्यों के मतों की विवेचना कीजिए।

2. रीति सिद्धांत की व्याख्या कीजिए।

अथवा

वक्रोक्ति सिद्धांत को स्पष्ट कीजिए।

3. प्लेटो की काव्य सम्बन्धी अवधारणाओं पर विस्तार प्रकाश डालिए। 15

अथवा

अरस्तू के 'अनुकरण सिद्धांत' की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

4. कॉलरिज के 'कल्पना सिद्धांत' की समीक्षा कीजिए। 15

अथवा

मैथ्यू अर्नाल्ड की कला की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5×2

(i) अलंकार सिद्धांत

(ii) रस के अंग

(iii) ध्वनि सिद्धांत

(iv) साधारणीकरण

(v) काव्यगुण

(vi) उदात्त की अवधारणा

(vii) काव्य प्रयोजन

(viii) विरेचन का सिद्धांत

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×1

(i) रीति सिद्धांत के प्रणेता कौन हैं ?

(ii) कल्पना सिद्धांत का सम्बन्ध किस विचारक से है ?

(iii) रस कितने प्रकार के होते हैं ?

(iv) वक्रोक्ति के कितने भेद हैं ?

(v) ध्वनि सिद्धांत के प्रवर्तक कौन हैं ?

(vi) अरस्तू के गुरु का नाम बताइए।

(vii) 'रस मीमांसा' किस आचार्य की रचना है ?

(viii) प्लेटों के गुरु का नाम लिखिए।

(ix) आलोचना का तात्पर्य क्या है ?

(x) काव्यशास्त्रों में कितनी कलाओं की गणना की गई हैं ?

(xi) मम्मट के काव्यग्रंथ का क्या नाम है ?

(xii) अलंकार सम्प्रदाय के प्रमुख आचार्य का नाम लिखिए।

(xiii) लोंजाइनस की प्रसिद्ध कृति का क्या नाम है ?

(xiv) भरतमुनि रचित ग्रंथ का नाम लिखिए।

(xv) मैथ्यू अर्नाल्ड ने किस पक्ष का समर्थन किया ?

(xvi) माधुर्य रीति है गुण ?

(xvii) 'कठिन काव्य का प्रेत' किसे कहा जाता है ?

(xviii) काव्य के मूल हेतु के नाम लिखिए।

Roll No. 101

ID–502

M. A. (Third Semester)
EXAMINATION, Dec.-Jan., 2024-25

HINDI

Paper Second

(भाषा विज्ञान)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. भाषा व्यवस्था के विभिन्न स्वरूपों की विवेचना कीजिए। 15

अथवा

भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण पर प्रकाश डालिए।

P. T. O.

2. स्वन विज्ञान के स्वरूप और शाखाओं का विस्तृत परिचय दीजिए। 15

अथवा

स्वनिम विज्ञान के स्वरूप एवं अवधारणा की विवेचना कीजिए।

3. संबंधदर्शी रूपिम और उसकी शाखाओं का वर्णन कीजिए। 15

अथवा

रूपिम की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए उसके भेदों का वर्णन कीजिए।

4. शब्द और अर्थ के सम्बन्ध की सोदाहरण विवेचना कीजिए। 15

अथवा

अर्थ की अवधारणा को स्पष्ट करते हुए विलोमता एवं अर्थ परिवर्तन की सोदाहरण विवेचना कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(i) भाषा विज्ञान की व्याप्ति

(ii) स्वनिक परिवर्तन

(iii) पर्यायता

(iv) रूपिम के प्रकार्य

(v) अर्थपरिवर्तन

(vi) वाक्यभेद

(vii) अनेकार्थता

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×1=10

(i) 'फ' ध्वनि किस वर्ग में आती है ?

(ii) रूपिम शब्द क्या होता है ?

(iii) अल्पप्राण ध्वनि के उदाहरण लिखिए।

(iv) मॉर्फेम शब्द की उत्पत्ति कहाँ से हुई है ?

(v) उच्चरित भाषा की लघुतम इकाई क्या है ?

(vi) अर्थ परिवर्तन के कितने कारण माने गए हैं ?

(vii) बलाघात क्या है ?

(viii) मिश्र वाक्या क्या है ?

(ix) भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग कितने हैं ?

(x) ध्वनि यंत्र का दूसरा नाम क्या है ?

(xi) कंठीय ध्वनि कौन-सी है ?

(xii) वाक्य के कितने भेद हैं ?

(xiii) ध्वनि मापने की इकाई क्या है ?

(xiv) अर्थ विज्ञान को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?

(xv) 'भाषा' शब्द संस्कृत की किस धातु से निष्पन्न हुआ है ?

परीक्षा केन्द्र क्रमांक-408

HD-503

M.A. 3rd Semester
Examination, Dec.-Jan., 2023-24

HINDI

Paper - III

कामकाजी हिन्दी एवं पत्रकारिता

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए : 15×4

1. सर्जनात्मक भाषा एवं संचार भाषा के रूप में हिन्दी के बढ़ते महत्व का वर्णन कीजिए।

अथवा

पल्लवन से क्या अभिप्राय है? पल्लवन की प्रक्रिया समझाते हुए कुशल पल्लवनकर्ता के गुणों का विवेचन कीजिए।

2. पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण प्रक्रिया को समझाते हुए इसके स्वरूप एवं महत्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कम्प्यूटर का परिचय देते हुए हिन्दी भाषा के प्रसार में इसकी भूमिका को रेखांकित कीजिए।

3. सूचना प्रौद्योगिकी के प्रमुख अवयव के रूप में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

अथवा

इंटरनेट क्या है? मानव जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने में इसकी क्या उपयोगिता रही है?

4. हिंदी पत्रकारिता के इतिहास पर एक सारगर्भित निबंध लिखिए।

अथवा

प्रेस से संबंधित प्रमुख कानूनों एवं आचार संहिता पर एक लेख लिखिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए: 2×5

(*i*) प्रारूपण के विभिन्न प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

(*ii*) राजभाषा हिन्दी पर एक टिप्पणी लिखिए।

(*iii*) पत्रकारिता के स्वरूप एवं प्रकार पर टिप्पणी लिखिए।

(*iv*) ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली का परिचय दीजिए।

(*v*) वेब पब्लिशिंग क्या है? यह किस तरह कार्य करता है?

(*vi*) 'समाचार पत्र' के उद्देश्यों पर प्रकाश डालिए।

(*vii*) 'पृष्ठसज्जा' पर एक टिप्पणी कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर अतिसंक्षिप्त रूप में दीजिए: 1×10

(*i*) खोजी पत्रकारिता क्या है?

(*ii*) केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा से निकलने वाली किसी एक पत्रिका का नाम बताइए।

(*iii*) 'राजपत्र' (गजट) में किस पत्र को प्रकाशित करते हैं?

(*iv*) 'लीड' किसे कहते हैं?

(*v*) मुंशी प्रेमचंद द्वारा प्रकाशित पत्रिका का नाम लिखिए।

(*vi*) भारतीय संविधान में कितनी भाषाओं को मान्यता मिली है?

(*vii*) विश्वविद्यालय में 'रजिस्ट्रार' हेतु हिन्दी का पारिभाषिक शब्द क्या है?

(*viii*) आर. के. लक्ष्मण क्यों प्रसिद्ध हुए?

(*ix*) कम्प्यूटर का जनक किसे माना जाता है?

(*x*) Chatgpt क्या है?

(*xi*) 'उदन्त मार्तण्ड' पत्र कहाँ से प्रकाशित हुआ?

(*xii*) कम्प्यूटर की किन्हीं दो भाषाओं का उल्लेख कीजिए।

(*xiii*) ए०आई० (AI) से क्या अभिप्राय है?

(*xiv*) प्रूफशोधन से क्या आशय है?

(*xv*) भारत के किसी एक प्रमुख समाचार-पत्र एवं उसके सम्पादक का नाम लिखिए।

HD-504

M.A. 3rd Semester
Examination, Dec.-Jan., 2023-24

HINDI

Paper - IV

भारतीय साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. "भारतीय साहित्य का स्वरूप उसकी मूलभूत सांस्कृतिक एकता से अनुप्राणित है।" इस कथन पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

"साहित्य समाज का बिम्ब होता है।" इस कथन की वर्तमान भारत के सन्दर्भ में समीक्षा कीजिए।

(Turn Over)

2. आधुनिक मलयालम साहित्य की प्रवृत्तियों का सविस्तार वर्णन कीजिए। 15

अथवा

बंगला साहित्य के उद्‌भव और विकास की विवेचना कीजिए।

अथवा

आधुनिक काल के मराठी साहित्य पर प्रकाश डालिए।

3. ऐतिहासिक दृष्टि से हिन्दी एवं बंगला उपन्यासों का तुलनात्मक वर्णन कीजिए। 15

अथवा

मराठी और हिन्दी साहित्य में जीवन संघर्ष विषय पर एक तुलनात्मक निबन्ध लिखिए।

4. अग्निगर्भ उपन्यास की मूल समस्याओं का वर्णन कीजिए। 15

अथवा

हयवदन नाटक के चरित्रों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'कोच्चि के दरख्त' कविता संग्रह की काव्यगत विशेषताओं का चित्रण कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) बंगला के नाट्य साहित्य पर टिप्पणी लिखिए।

(*ii*) चैतन्य महाप्रभु के अभ्युदय का बंगला साहित्य पर प्रभाव।

(*iii*) संत ज्ञानदेव का मराठी साहित्य में महत्व।

(*iv*) बसाई टूडू की चारित्रिक विशेषताएँ।

(*v*) रवीन्द्रनाथ ठाकुर की साहित्यिक विशेषताएँ बताइए।

(*vi*) चर्यापद क्या है? समझाइए।

(*vii*) अग्निगर्भ उपन्यास के नामकरण की सार्थकता।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10

(*i*) हयवदन नाटक की नायिका कौन है?

(*ii*) मराठी भाषा की लिपि है।

(*iii*) 'मेघदूत' किसकी रचना है?

(*iv*) भागवत किस नाटक का पात्र है?

(*v*) किसी एक मराठी संत का नाम लिखिए।

(*vi*) गीतांजलि किसकी रचना है?

(*vii*) 'प्रथम प्रतिश्रुति' की लेखिका का नाम लिखिए।

(*viii*) बंगला का प्रथम उपन्यास कौन सा था?

(*ix*) 'कोच्चि के दरख्त' की मूल भाषा क्या है?

(*x*) महाश्वेता देवी किस भाषा की लेखिका हैं?

(*xi*) 'एक टोकरी भर मिट्टी' कहानी के लेखक कौन हैं?

(*xii*) आनन्दमठ किस भाषा में लिखा गया है?

Roll No. .....

HD–651

M. A. (Fourth Semester)
EXAMINATION, May-June, 2024

HINDI

Paper Fifth

(हिन्दी आलोचना तथा समीक्षाशास्त्र)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. अभिव्यंजनावाद की मूल अवधारणा क्या है ? समझाइए। 15

अथवा

मनोविश्लेषणवाद की विभिन्न अवधारणाओं पर प्रकाश डालिये।

2. 'हिन्दी में लक्षण काव्य-परम्परा' विषय पर निबन्ध लिखिये। 15

अथवा

डॉ. रामविलास शर्मा की समीक्षा-दृष्टि का विवेचन कीजिए।

P. T. O.

3. हिन्दी में ऐतिहासिक समीक्षा-पद्धति के विकास का अनुशीलन प्रस्तुत कीजिये। 15

अथवा

हिन्दी आलोचना में सौंदर्यशास्त्रीय प्रवृत्ति के विकास का सम्यक् विवेचन कीजिये।

4. निम्नलिखित काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार व्याख्या प्रस्तुत कीजिये— 15

भीख माँगते उसी त्रिलोचन को देखा कल
जिसको समझा था है तो है यह फौलादी
ठेस-सी लगी मुझे, क्योंकि यह मन था आदी
नहीं; झेल जाता श्रद्धा की चोट अचंचल,
नहीं सँभाल सका अपने को; जाकर पूछा
'भिक्षा से क्या मिलता है; 'जीवन' 'क्या इसको
अच्छा आप समझते हैं' 'दुनिया में जिसको
अच्छा नहीं समझते हैं करते हैं, छूछा
पेट काम तो नहीं करेगा' 'मुझे आपसे
ऐसी आशा न थी' 'आप ही कहें, क्या करूँ,
खाली पेट भरूँ, कुछ काम करूँ कि चुप मरूँ,

क्या अच्छा है।' जीवन जीवन है प्रताप से,

स्वाभिमान ज्योतिष्क लोचनों में उतरा था,

यह मनुष्य था, इतने पर भी नहीं मरा था।

अथवा

पिस गया वह भीतरी

औ' बाहरी दो कठिन पाटों बीच,

ऐसी ट्रैजिडी है नीच !!

बावड़ी में वह स्वयं

पागल प्रतीकों में निरंतर कह रहा

वह कोठरी में किस तरह

अपना गणित करता रहा

औ' मर गया.....

वह सघन झाड़ी के कँटीले

तम-विवर में

मरे पक्षी-सा

विदा ही हो गया

वह ज्योति अनजानी सदा को सो गई

यह क्यों हुआ !

क्यों यह हुआ !!

मैं ब्रह्मराक्षस का सजल-उर शिष्य

होना चाहता

जिससे कि उसका वह अधूरा कार्य,

उसकी वेदना का स्रोत

संगत, पूर्ण निष्कर्षों तलक

पहुँचा सकूँ।

5. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(i) शैलीविज्ञान क्या है ?

(ii) साहित्य में स्वच्छंदतावाद से क्या तात्पर्य है ?

(iii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की लोकमंगल की अवधारणा क्या है ?

(iv) नामवर सिंह की समीक्षा-पद्धति की **दो** विशेषताएँ लिखिये।

(v) हिन्दी के किसी मनोविश्लेषणवादी समीक्षक के समीक्षाकर्म की **दो** विशेषताएँ बताइये।

(vi) हिन्दी मार्क्सवादी समीक्षा में मुक्तिबोध के योगदान के विषय में किन्हीं दो बिन्दुओं पर सूत्र रूप में प्रकाश डालिये।

(vii) निम्नांकित काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिये :

'सब कुछ, सब कुछ, सब कुछ, सब कुछ, सब कुछ, सब कुछ भाषा।'

(viii) निम्नांकित काव्य-पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए :

'कोसल में विचारों की कमी है।'

(ix) तुलनात्मक आलोचना का आशय स्पष्ट करते हुए उसका अति संक्षिप्त परिचय दीजिये।

(x) आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी की समीक्षा-पद्धति की दो विशेषताएँ लिखिये।

निम्नांकित लघूत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10=10

(i) अस्तित्ववाद से सम्बन्धित किसी **एक** दार्शनिक साहित्यकार का नाम तथा उसकी **एक** साहित्यिक कृति का शीर्षक लिखिए।

(ii) हिन्दी के किसी **एक** मार्क्सवादी समीक्षक का नाम लिखिए।

(iii) अभिव्यंजनावाद के प्रणेता दार्शनिक का नाम लिखिये।

(iv) आचार्य रामचंद्र शुक्ल की किसी एक आलोचना कृति का नाम लिखिये।

(v) 'हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी' किस आलोचक की कृति है ?

(vi) 'सूर सूर, तुलसी ससी, उडुगन केशवदास' जैसे पंक्ति किस आलोचना-पद्धति की ओर संकेत करती है ?

(vii) 'सारा लोहा उन लोगों का, अपनी केवल धार' किस कवि की काव्य-पंक्ति है ?

(viii) कविता-संग्रह 'वह आदमी नया गर्म कोट पहनकर चला गया विचार की तरह' के रचनाकार का नाम बताइये।

(ix) लाला भगवानदीन ने किस तरह की समीक्षा-पद्धति का अनुसरण किया ?

(x) संरचनावाद के प्रवर्त्तक विचारक का नाम लिखिये।

(xi) जाक दरिदा किस वैचारिक सर्राणे के विचारक हैं ?

(xii) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के किसी **एक** आलोचना ग्रन्थ का शीर्षक लिखिये।

(xiii) सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की किसी **एक** कविता का शीर्षक लिखिये।

(xiv) गजानन माधव मुक्तिबोध की किसी **एक** कविता का शीर्षक लिखिये।

(xv) हिन्दी के किसी **एक** स्वच्छन्दतावादी आलोचक का नामोल्लेख कीजिये।